No. of Printed Pages : 2

MHD-17

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि

एम. ए. (हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम. एच. डी.-17 : भारत की चिन्तन परम्पराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. बुद्ध के समय की सामाजिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए। 10

2. बौद्ध दर्शन ने भारतीय साहित्य को किस प्रकार प्रभावित किया है ? विचार कीजिए। 10

3. बौद्ध विद्वानों ने किस प्रकार बुद्ध की चिन्तनधारा को विकसित किया है ? विवेचना कीजिए। 10

4. अश्वघोष की कृतियों की भाषाशैली, वस्तु योजना तथा प्रकृति-चित्रण पर प्रकाश डालिए। 10

5. आर्य नागार्जुन के प्रतीत्यसमुत्पाद के महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

6. ब्राह्मण पुरोहित प्रेरित कर्मकाण्ड को 'चार्वाक दर्शन' ने कैसे चुनौती दी ? सविस्तार चर्चा कीजिए। 10

7. जाति-व्यवस्था को तोड़ने में सिद्धों की क्या भूमिका है ? विश्लेषित कीजिए। 10

8. "महानुभव पंथ के दर्शन ने दलित साहित्य को प्रभावित किया।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 10

9. नाथपंथी साहित्य की प्रासंगिकता का मूल्यांकन कीजिए। 10

10. वचन साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 5 = 10$

    (क) धर्मकीर्ति

    (ख) मिलिन्द और नागसेन

    (ग) वीरशैव पंथ

    (घ) संत वेमना